

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 11, भाग 3, 1 राजा 12-13, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

अब हम अध्याय 13 को देखते हैं, जो ठीक वही बताता है जो हमने अभी सुना है। यारोबाम ने बेतेल में जो वेदी बनाई थी, उस पर बलि चढ़ाई। इसलिए, परमेश्वर ने परमेश्वर के एक सेवक से कहा, जो यहूदा से बेतेल आया था, जब यारोबाम बलि चढ़ाने के लिए वेदी के पास खड़ा था।

दिलचस्प बात यह है कि हम इस आदमी का नाम नहीं जानते, लेकिन हम जानते हैं कि वह परमेश्वर का आदमी था। यही शब्दावली एलिय्याह और एलीशा द्वारा इस्तेमाल की गई है। यह एक ऐसा आदमी है जिसे परमेश्वर ने नियुक्त किया है।

यह एक ऐसा व्यक्ति है जो परमेश्वर से भरा हुआ है। यह एक ऐसा व्यक्ति है जिसने परमेश्वर के महान उद्देश्यों में परमेश्वर के साथ सहयोग करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। और इसलिए, उसे बताया गया, वेदी, वेदी, यह वही है जो प्रभु कहता है।

तुम्हारे ऊपर दाऊद के घराने में योशियाह नाम का एक बेटा पैदा होगा। वह ऊँचे स्थानों के याजकों को बलि चढ़ाएगा जो यहाँ बलि चढ़ाते हैं, और तुम्हारे ऊपर मनुष्य की हड्डियाँ जलाई जाएँगी। यह इस बात का संकेत है कि यहोवा ने घोषणा की है कि वेदी को तोड़ दिया जाएगा, और उस पर की राख को बाहर फेंक दिया जाएगा।

यारोबाम ने यह सुना। उसने वेदी से अपना हाथ बढ़ाया। वह वहाँ वेदी पर बलि चढ़ा रहा था, उसने अपना हाथ बढ़ाया और कहा, उसे पकड़ लो।

लेकिन उसने जो हाथ उस आदमी की ओर बढ़ाया वह सूख गया और वह उसे वापस नहीं खींच सका। आप भगवान के साथ खेलवाड़ नहीं करना चाहते। इसके अलावा, वेदी को विभाजित कर दिया गया और उसकी राख को भगवान के वचन द्वारा भगवान के आदमी द्वारा दिए गए संकेत के अनुसार बहा दिया गया।

तब राजा ने परमेश्वर के जन से कहा, अपने परमेश्वर यहोवा से विनती कर। मेरे लिए प्रार्थना कर कि मेरा हाथ ठीक हो जाए। तब परमेश्वर के जन ने यहोवा से विनती की, और राजा का हाथ ठीक हो गया, और वह पहले जैसा हो गया।

वाह! भगवान की कृपा है! फैसला सुना दिया गया है।

परिणाम की भविष्यवाणी की गई थी। एक संकेत दिया गया था। और फिर भी, परमेश्वर मध्यस्थता के लिए तैयार था और तैयार था।

हे भगवान। क्या आपको नहीं लगता, क्या आपको नहीं लगता कि ऐसे ही किसी पल में यारोबाम कहेगा, हे भगवान, मुझे माफ़ कर दो। हम इस मंदिर, इस वेदी को फिर से नहीं बनाने जा रहे हैं जो यहाँ टूट रही है।

हम उन सुनहरे बैलों से छुटकारा पाने जा रहे हैं। भगवान, हम आपके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन का पालन करने जा रहे हैं। नहीं।

मेरे साथ घर पर खाना खाने आओ। मैं तुम्हें एक उपहार दूँगा। कोई पश्चाताप नहीं।

दोस्तों, यह सब हमारे बारे में बहुत ही सरलता से वर्णन करता है। हमने पाप किया है।

हमने कुछ गलत किया है। हमें कुछ दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम भुगतने पड़े हैं। हम प्रार्थना करते हैं।

नतीजा बदल गया। और हम कहते हैं, ओह, इसके लिए खुश हैं। चलो घर चलते हैं और खाना खाते हैं।

कोई पश्चाताप नहीं। जब आपने पाप किया हो और भगवान कृपापूर्वक आपको आशीर्वाद देते हैं। ओह, ओह, उस पल, अपने चेहरे पर गिरो और पश्चाताप करो।

इसीलिए वह दयालु है। इसीलिए वह अपना उपकार करता है। इसलिए नहीं कि हम आगे बढ़ सकें।

लेकिन इसलिए कि हम छोड़ देंगे। इसलिए कि हम रुक जाएंगे। यारोबाम ऐसा नहीं करता।

परमेश्वर के जन ने राजा से कहा, "यदि तू मुझे अपनी आधी सम्पत्ति भी दे दे, तो भी मैं तेरे संग न चलूँगा। और न मैं यहाँ रोटी खाऊँगा, और न पानी पीऊँगा। यहोवा के वचन से मुझे आज्ञा मिली है, कि तू न तो रोटी खाएगा, और न पानी पीएगा, और न जिस मार्ग से आया है उसी मार्ग से लौटना।"

इसलिए, उसने दूसरा रास्ता अपनाया। वह उस रास्ते से वापस नहीं लौटा जिस रास्ते से वह बेथेल आया था। यह आदमी ऐसा करने जा रहा है।

वह आज्ञाकारी है। लेकिन अब क्या? देखिए क्या होता है। और मैं इसे पढ़ने में समय नहीं लगाऊँगा, लेकिन आप इसे खुद ही पढ़ सकते हैं।

यह एक आकर्षक छोटी सी कहानी है। इसमें एक पैगम्बर है। अब, फिर से, मुझे लगता है कि यह एक दिलचस्प कहानी है।

उसे ईश्वर का आदमी नहीं, बल्कि एक पैगम्बर कहा जाता है। मुझे लगता है कि यह आदमी कोई पेशेवर है। वह पैगम्बर यूनिवर्सिटी गया है।

उन्होंने भविष्यवाणी में पीएचडी की है। उन्हें शकुन-अपशकुन पढ़ना और भविष्य बताना आता है। और वे इसके बारे में सुनते हैं।

वह कहता है, वाह, यह लड़का मेरे व्यवसाय में वाकई प्रतिभाशाली है। वह वास्तव में मेरे पेशे में दिलचस्पी रखता है। मैं इस लड़के से मिलना चाहता हूँ।

उसने उससे कहा कि वह उसके साथ घर चले और खाना खाए। वह आदमी कहता है, नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकता। प्रभु ने मुझसे कहा है कि मुझे बिना खाए-पीए घर जाना है, और मुझे दूसरे रास्ते से जाना है।

वह आदमी कहता है, मैं भी एक भविष्यवक्ता हूँ। और एक स्वर्गदूत ने मुझसे कहा, प्रभु के वचन से, उसे अपने साथ अपने घर ले आओ ताकि वह रोटी खाए और पानी पिए। वह उससे झूठ बोल रहा था।

तो परमेश्वर का जन उसके साथ लौटा और उसके घर में खाया-पीया। मुझे बाइबल बहुत पसंद है।

मुझे इनमें से कुछ कहानियों को जिस तरह से बताया गया है, वह बहुत पसंद आया। इस लंबे, लंबे परिचय के बाद, हमारे पास यहाँ 17 श्लोक हैं कि कैसे इस आदमी ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया, कैसे परमेश्वर ने उसके माध्यम से काम किया, और कैसे उसने पश्चाताप न करने वाले राजा के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

और अब, एक छोटा सा वाक्य। तो, परमेश्वर का आदमी उसके साथ लौटा और उसके घर में खाया और पिया। क्या? क्या? हाँ।

वह भगवान से नहीं पूछता। क्या यह सच्चा पैगम्बर है? वह भगवान से नहीं पूछता, क्या आपने अपनी इच्छा बदली है? अब, मैं इसकी गारंटी नहीं दे सकता, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे पता है कि क्या हुआ था। वह भूखा है।

वह प्यासा है। वह यहाँ मर रहा है। और यहाँ एक खुला दरवाज़ा आता है।

ओह, भगवान ने मेरे लिए दरवाज़ा खोल दिया है। ओह, भगवान आपका शुक्रिया। मैं आपसे एक बार फिर कहना चाहता हूँ।

यारोबाम की तरह। उसने परमेश्वर से नहीं पूछा। उसने नहीं कहा, परमेश्वर, क्या यह आदमी सच बोल रहा है? क्या आपने अपनी इच्छा बदल ली है? अब, परमेश्वर ऐसा कर सकता है।

मैं ऐसा नहीं कहना चाहता। क्या आपने अपना आदेश बदल दिया है? उसने नहीं पूछा। दरवाज़ा खुला था।

यह स्पष्ट है। चलो इसे करते हैं। मैं आपसे कहना चाहता हूँ।

सिर्फ इसलिए कि दरवाज़ा खुला है, इसका मतलब यह नहीं है कि यह ईश्वर की इच्छा है। पूछने के लिए समय निकालें। मार्गदर्शन पाने के लिए समय निकालें।

इसलिए कि तुम यह काम परमेश्वर के तरीके से कर रहे हो न कि अपने तरीके से, परमेश्वर ऐसा कर सकता था। परमेश्वर वास्तव में कह सकता था, ठीक है, तुमने इस बिंदु तक मेरी बात मानी है।

यह बहुत बढ़िया है। तो अब तुम इस आदमी के साथ घर जा सकते हो और खा-पी सकते हो। लेकिन पैगम्बर ने ऐसा नहीं पूछा।

उसने बस यही किया। अब, मैं आपसे कहना चाहता हूँ। हम यहाँ जो देख रहे हैं वह ईश्वर का काम है।

हम एक ऐसे ईश्वर को देख रहे हैं जो भविष्य जानता है। आपने दाऊद के घराने को अस्वीकार कर दिया है। लेकिन मैं आपको यह बताने के लिए यहाँ हूँ।

वह सड़क के नीचे है। 300 साल। 300 साल।

दाऊद का एक पुत्र योशियाह, शवों से इस वेदी को अपवित्र करने जा रहा है।

लाशें। उन पुजारियों की जो सालों से इस पर सेवा करते रहे। भगवान ही भविष्य जानता है, दोस्तों।

दूसरी बात यह है कि परमेश्वर की चक्की बहुत धीरे-धीरे पीसती है। लेकिन वह बहुत बारीक पीसती है।

यारोबाम के इन कामों पर अंतिम निर्णय आने में 300 साल लगेंगे। हाँ।

हाँ. लेकिन यह आ रहा है. यह आ रहा है.

तो, हमारे अपने जीवन में। यदि पाप करने पर हम पर न्याय नहीं आता है। तुम विश्वास मत करो, इसलिए यह आने वाला नहीं है। यह आने वाला है।

तो, क्या हो रहा है? वे उसे रास्ते में पाते हैं। उसे एक शेर ने मार डाला है। शेर उसके शव के ऊपर खड़ा है।

शेर ने गधे को नहीं छुआ। जिस पर वह आदमी सवार था। एक मिनट रुको।

एक मिनट रुको। यह उचित नहीं है। बूढ़े झूठे को कुछ नहीं होगा।

लेकिन यह आदमी। क्या हो रहा है? खैर, नंबर एक। भगवान प्रभारी है।

आप और मैं नहीं। और ईश्वर न्याय तय करता है। आप और मैं नहीं।

लेकिन. मुझे लगता है कि मैं जानता हूँ कि यहाँ क्या हो रहा है। ओह, क्या तुमने सुना?

क्या तुमने उस आदमी को सुना जो यहाँ आया था। और उसने हमारी वेदी और हमारे राजा के बारे में बहुत कठोर शब्द कहे।

क्या तुमने सुना? उसने कहा कि वह राजा के साथ खा-पी नहीं सकता। लेकिन उसने हमारे एक नबी के साथ खाया-पीया।

और वह घर चला गया, और कुछ नहीं हुआ। ठीक है। आपमें से कुछ लोग पादरी हो सकते हैं।

परमेश्वर का वचन आप पर है। और आपके पास एक भयानक जिम्मेदारी है। जिसे बहुत कुछ दिया जाता है, उससे बहुत कुछ अपेक्षित होता है।

और ऐसा ही उस आदमी के साथ हुआ। लेकिन उस बूढ़े झूठे का क्या हुआ? वह बिना कुछ लिए कैसे बच निकला?

जहाँ तक हमें पाठ से पता चला है। उसके साथ ऐसा हो रहा है। मुझे लगता है कि इसका उत्तर यही है।

एक बार फिर। ईश्वर के करीब होना। एक खतरनाक स्थिति में होना है।

क्या आपने गौर किया है कि यीशु के पास सद्कियों से कहने के लिए लगभग कुछ भी नहीं था। सद्कियाँ सत्ता के दलाल थे।

यीशु के जीवनकाल के दौरान, यहूदिया के राज्य में ये महायाजक थे।

ये वे लोग हैं जो शो चला रहे हैं। और यीशु के पास उनसे कहने के लिए वस्तुतः कुछ भी नहीं है। मुझे लगता है कि मुद्दा यही है।

वे बहुत दूर हैं। उनके बारे में ज़्यादा कुछ नहीं किया जा सकता। मुझे लगता है कि इस आदमी के साथ भी यही मामला है।

ओह हाँ। ओह हाँ। न्याय आएगा।

लेकिन अभी उस पर हमला करने की जरूरत नहीं है। वह गेट के बाहर है। वह परिधि के बाहर है।

हम उसके साथ खिलवाड़ नहीं कर रहे हैं। दूसरी ओर, यीशु ने ऐसा किया था।

बहुत कठोर। कठोर शब्द। राज्य के सबसे अच्छे लोगों के लिए।

फरीसी। और आपको याद होगा - पुनरुत्थान और स्वर्गारोहण के बाद करीब तीन हज़ार फरीसी लोगों ने यीशु को स्वीकार किया था। और पिन्तेकुस्त के बाद भी।

ऐसा इसलिए था क्योंकि वे उसके बहुत करीब थे, इसीलिए उसने ये कठोर, आलोचनात्मक शब्द कहे।

उनसे कहना। उनका ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करना। और उन्हें वापस लाना।

लेकिन सद्गुणियों के साथ खिलवाड़ करने का कोई मतलब नहीं है। मुझे लगता है कि यहाँ यही हो रहा है।

यह बूढ़ा आदमी। वह ईश्वर को जानने से बहुत दूर है। कोई मतलब भी नहीं।

उसके साथ व्यवहार में, तो हम क्या कह सकते हैं?

यह एक समग्र सबक है। चित्र के संदर्भ में।

दो राष्ट्रों में से। मुझे लगता है। यानी यहूदा का आदमी प्रतिनिधि है और इसराइल का आदमी भी प्रतिनिधि है।

इस बिंदु पर। दो राज्यों के इतिहास में। यहूदा। यह कहीं ज़्यादा सही हो सकता है। ज़्यादा जड़।

परमेश्वर क्या चाहता है। और परमेश्वर क्या कह रहा है। इस्राएल पहले से ही विनाश के मार्ग पर है। लेकिन। लेकिन।

अगर यहूदी लोग इसराइल की बात सुनें और उनका अनुसरण करें। वे भी इसराइल के विनाश में शामिल होंगे, जो कि वास्तव में हुआ। यहूदा को 150 साल की और मोहलत मिली।

उत्तरी राज्य के पतन के बाद, वे उसी रास्ते पर चलते रहे।

अंत में। और उनका विनाश भी वैसा ही था। मुझे लगता है कि यहाँ बिल्कुल शुरुआत में ही हमारे पास है।

इस बात का एक उदाहरण। यहूदा ज़्यादा सही है। उत्तरी राज्य, इस्राएल से ज़्यादा परमेश्वर के संपर्क में है। लेकिन अगर यहूदा इस्राएल की बात मान ले, तो यहूदा का विनाश भी इस्राएल की तरह ही निश्चित है।

और हम यहीं जा रहे हैं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

मैं प्रार्थना करता हूँ।

प्रिय स्वर्गीय पिता। आपके वचन के लिए धन्यवाद। चुनौती, चेतावनी, चेतावनी और इसके पन्नों के माध्यम से आने वाले आशीर्वाद के लिए धन्यवाद।

धन्यवाद, पिता। हमें अपने डर की सलाह न लेने में मदद करें। हमें अपने विकल्पों की रक्षा करने में मदद करें। हमें आपके लिए खड़े होने के लिए तैयार रहने में मदद करें।

शुरुआत में ताकि हम अंत तक आपके लिए खड़े हो सकें। आपके नाम में, हम प्रार्थना करते हैं।
आमीन।